स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम (राष्ट्रिय शिक्षा नीति के अनुसार)
द्वितीय सत्र

कौशल विकास पाठ्यक्रम **पञ्चमहायज्ञ-II** **पूर्णाङ्क -50**
पेपर कोड BPM-Q201 **लिखित परीक्षा -30**
सत्रीय मूल्यांकन-20
सकल-अर्जिताधिभार 02

पाठ्यक्रम उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को धार्मिक क्रियाओं से परिचित कराना तथा आडम्बर के प्रति जागरूक करना है। एतर्थ इस पाठ्यक्रम में पञ्च महायज्ञ को समाविष्ट किया गया है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम

CO1 पञ्चमहायज्ञ के स्वरूप से परिचित होंगे।
CO2 छात्रों में सामाजिक सद्भावना एवं सामनस्य का विकास होगा।
CO3 छात्रों में वरिष्ठ जनों के प्रति आदर, सम्मान के भाव विकसित होंगे।
CO4 छात्र यज्ञ के यथार्थ स्वरूप को जानेंगे।
CO4 छात्रों में जीव जन्तुओं के प्रति स्नेह, दया एवं संरक्षण की भावना विकसित हो सकेगी।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (20 अंक) एवं सत्रान्त परीक्षा (30 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में 10 अंक सत्रीय परीक्षा, 05 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 05 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा

इकाई:1 देवयज्ञ का स्वरूप, विधि एवं महत्त्व

(क) देवताओं का यथार्थ स्वरूप

(ख) देवाहुति स्वरूप

(ग) पर्यावरण शुद्धि

(घ) यज्ञीय सामग्री

इकाई:2 पितृयज्ञ का स्वरूप विधि एवं महत्त्व

(क) श्राद्ध एवं तर्पण

इकाई:3 बलिवैश्यदेव यज्ञ का स्वरूप, विधि एवं महत्त्व

(क) जीवरक्षा

इकाई:4 अतिथि यज्ञ स्वरूप, विधि एवं महत्त्व

(क) आचार्य, गुरु, संन्यासी एवं विद्वान् का स्वरूप एवं सेवा

इकाई:5 प्रायोगिक एवं मौखिकी

संस्तुत ग्रन्थ

1. पञ्चयज्ञ महाविधि, गोविन्दाराम हासानन्द, नई सडक, पुरानी दिल्ली

2. पञ्च यज्ञ प्रकाश, स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती, स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, मेरठ

3. आर्योद्देश्य रत्नमाला

4. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, स्वामी दयानन्द सरस्वती

5.सन्ध्यायोग ब्रह्मसाक्षात्कार, पण्डित जगन्नाथ पथिक

6.सन्ध्या पद्धति मीमांसा, आचार्य विश्वश्रवा

7. सत्यार्थ प्रकाश, स्वामी दयानन्द सरस्वती

8. गोकरुणानिधि, स्वामी दयानन्द सरस्वती